क्या अल्जीरिया में वास्तविक परिवर्तन हुआ है?

लेखक - पिनाक रंजन चक्रवर्ती (पूर्व सचिव, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार)

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध)

द हिन्दू

3 अप्रैल, 2019

"ऐसा प्रतीत होता है कि अल्जीरियाई प्रदर्शनकारियों ने अरब स्प्रिंग से सबक सीख लिए हैं।"

20 साल तक शासन करने वाले अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देलअजीज बॉउटफ्लिका को हटाये जाने की मांग को लेकर हफ्ते भर से चल रहे सार्वजनिक विरोध प्रदर्शनों के बाद, आखिरकार इस 82 वर्षीय नेता ने घोषणा की कि वह अपना पद छोड़ देंगे। गौरतलब हो कि इन्हें पद छोड़ने का दबाव केवल प्रदर्शनकारियों से ही नहीं, बल्कि सत्तारूढ़ नेशनल लिबरेशन फ्रंट (एफएलएन) के गठबंधन और देश की शक्तिशाली सेना से भी आ रहा था।

देश में जो विरोध प्रदर्शन हुए हैं, वे शांतिपूर्ण और बड़े पैमाने पर हुए हैं। प्रदर्शनकारी ज्यादातर युवा हैं और बेरोजगारी के बारे में चिंतित हैं। अल्जीरिया की लगभग 70% आबादी 30 वर्ष से कम आयु की है। ऐसा लगता है जैसे अल्जीरिया रूबिकन तक पहुँच गया है; बस इसे पार करना बचा है।

श्री बॉउटफ्लिका ने दिए गये अपने पहले के एक बयान में कहा था कि वह कार्यालय में पांचवां कार्यकाल नहीं लेंगे, लेकिन वे विभिन्न क्षेत्रों में 'गहन सुधार' करते रहेंगे। इसी बयान में घोषणा की गई थी कि 18 अप्रैल को होने वाला राष्ट्रपति चुनाव स्थगित कर दिया जाएगा। इससे यह संदेह पैदा हो गया है कि श्री बॉउटफ्लिका का इरादा अपने सत्तारूढ़ कुलीन वर्ग को बनाए रखने के तरीके खोजने का है। नए प्रधानमंत्री और पूर्व आंतरिक मंत्री, नूरेडीन बेदोई ने चुनाव स्थगित करने का समर्थन करके इस संदेह को और बढ़ा दिया है।

एक बेहतर शासन काल:-

अरब दुनिया के कई सत्ताधारी शासकों की तरह ही श्री बॉउटफ्लिका का करियर भी बुलंदियों पर रहा है। हालाँकि, कई लोग उन्हें एक विवादास्पद राजनेता के रूप में देखते है तो कई लोग उन्हें उस खूनी गृहयुद्ध को समाप्त करने का श्रेय देते हैं जो 1990 के दशक में लगभग 200,000 अल्जीरियाई लोगों के मौत का कारण बना था। लेकिन अरब दुनिया के कई सत्तावादी नेताओं की तरह, उन्होंने अल्जीरिया के लोगों के साथ अपनी स्वीकृति को रेखांकित किया।

मोरक्को के शहर औजदा में जन्मे श्री बॉउटफ्लिका मूल रूप से पश्चिमी अल्जीरिया के तलेमसेन के रहने वाले थे। जब वह 19 वर्ष के थे, तब मिस्टर बॉउटफ्लिका नेशनल लिबरेशन आर्मी (एएलएन) में शामिल हो गए थे(नेशनल लिबरेशन फ्रंट (एफएलएन) के लड़ाकू थे), जो तब फ्रांस द्वारा औपनिवेशिक कब्जे के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम में लगी हुई थी।

वह पदानुक्रम के माध्यम से तेजी से आगे बढ़े और 1962 में अल्जीरिया के स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद 1965 में सत्ता हासिल करने वाले ALN नेता, हौरी बाउमेडीन के एक विश्वसनीय सहयोगी बन गए। वह अहमद बेन बेला की सरकार में युवा, खेल और पर्यटन मंत्री थे। इसके बाद, वह 1963 में दुनिया के सबसे कम उम्र के विदेश मंत्री बने।

एक स्वतंत्र देश के रूप में अल्जीरिया की विदेश नीति को श्री बॉउटफ्लिका द्वारा ढांचा प्रदान किया गया था और यह मुख्य रूप से स्वतंत्रता के लिए युद्ध के अनुभव से प्रभावित था। इसलिए, इसका अल्जीरिया वि-उपनिवेशीकरणऔर गुटनिरपेक्ष आंदोलन में सक्रिय होना स्वाभाविक था। अर्जेंटीना के क्रांतिकारी नेता चे ग्वेरा और दक्षिण अफ्रीकी नेता नेल्सन मंडेला को सैन्य तानाशाही और रंगभेद के खिलाफ अपने-अपने संघर्षों में अल्जीरिया से पूर्ण समर्थन मिला। श्री बॉउटफ्लिका के राजनीतिक करियर में भ्रष्टाचार के आरोपों के साथ गिरावट आने लगी और वह 1981 से 1987 तक स्वैच्छिक निर्वासन में चले गए।

गृह युद्ध और उसके बाद:-

अल्जीरिया की हाइड्रोकार्बन आधारित अर्थव्यवस्था तेल की बढ़ती कीमतों के दिनों के दौरान समृद्ध हुई। अल्जीरिया में प्रभुत्व रखने वाली एकल पार्टी प्रणाली ने राजनीतिक बहुलवाद को जन्म दिया जिसके कारण इस्लामिक साल्वेशन फ्रंट (FIS) का उदय हुआ। 1991 के चुनाव को अल्जीरियाई सेना द्वारा एफआईएस को सत्ता के पूर्व हस्तांतरण के लिए 10 साल के खूनी गृहयुद्ध में रद्द कर दिया गया।

श्री बॉउटफ्लिका ने 1994 में गृह युद्ध की ऊंचाई पर राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभालने से इनकार कर दिया था, लेकिन 1999

में, वह राष्ट्रपति पद के लिए आगे बढ़े और भारी बहुमत से चुने गए। हांलाकि, अन्य उम्मीदवारों ने अंतिम क्षण में यह आरोप लगाया कि चुनाव में धांधली हुई थी।

श्री बॉउटफ्लिका ने अपने 2005 के चार्टर फॉर पीस एंड नेशनल रीकॉन्सिलीऐशन के साथ गृह युद्ध को सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया। उच्च तेल प्रक्रिया ने अल्जीरिया को बुनियादी ढांचे में निवेश करने और अर्थव्यवस्था में सुधार करने में सक्षम बनाया। उनके विरोधियों ने सभी शक्तियों को कमजोर करने और राज्य संस्थानों को कमजोर करने के लिए उनकी आलोचना की। आलोचना के बावजूद, श्री बॉउटफ्लिका अरब स्प्रिंग से बच गए, जिसने ट्यूनीशिया और लीबिया में सत्तावादी शासकों को हटा दिया था।

आगे की राह:-

अग्रणी विपक्षी आंकड़े अब नेशनल कोऑर्डिनेशन फॉर चेंज नामक गठबंधन के माध्यम से अल्जीरिया के राजनीतिक संक्रमण के लिए एक रोड मैप तैयार करने के लिए काम कर रहे हैं। वर्तमान मनोदशा श्री बॉउटफ्लिका के विचार के इर्द-गिर्द व्याप्त है, जो 28 अप्रैल को एक सामूहिक राष्ट्रपति पद के लिए सत्ता सौंप रही है। राजनीति में सैन्य हस्तक्षेप के लंबे इतिहास को देखते हुए, नेशनल कोऑर्डिनेशन फॉर चेंज ने भी इसमें हस्तक्षेप न करने की चेतावनी दी है। हालाँकि, गठबंधन के पास स्पष्ट रूप से पहचाना गया नेतृत्व नहीं है और यह उस परिवर्तन का साधन नहीं बन सकता है जिसकी अल्जीरिया को आवश्यकता है।

एक एफएलएन प्रवक्ता ने कहा है कि अल्जीरिया की समस्याओं को केवल चुने हुए प्रतिनिधियों द्वारा ही सुलझाया जा सकता है, न कि अशिक्षित राजनेताओं और नागरिक संगठनों के कार्यकर्ताओं द्वारा। प्रदर्शनकारियों को सेना ने समर्थन का संकेत दिया है। आर्मी चीफ ने घोषणा की कि मिस्टर बॉउटफ्लिका, जो दिल का दौरा पड़ने के बाद से पीड़ित है और व्हीलचेयर तक सीमित हैं, वह शासन करने के योग्य नहीं रहे।

अल्जीरिया के न्यायाधीशों ने भी प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया है और कहा है कि वे उनके खिलाफ मामलों को स्थगित करने से इनकार करेंगे क्योंकि उन्होंने सार्वजनिक समारोहों में कानूनों का उल्लंघन किया है। अल्जीरियाई प्रतिष्ठान विभाजित दिखाई दे रहा है और श्री बेदोई के लिए सरकार बनाना इतना भी आसान नहीं है।

28 अप्रैल से पहले पद छोड़ने के लिए सहमत होने के बाद, एक बदलती सरकार के पास स्वतंत्र लोग हैं जो पहले कभी सरकार में नहीं थे। हमने 2010के अंत में और फिर अरब दुनिया भर में ट्यूनीशिया में इस तरह की हलचल को पहले भी देखा है। इस विद्रोह ने कई शासन को शीर्ष से जमीन पर ला दिया है। अल्जीरियाई प्रदर्शनकारियों ने भी इसी विद्रोह के सबक सीखा हैं। एक तेल-गैस समृद्ध देश अल्जीरिया, इस समय रूबिकन को पार करने की ओर अग्रसर है।

GS World टीम...

अल्जीरिया और अरब स्प्रिंग

चर्चा में क्यों?

- वर्तमान में अल्जीरिया की राजधानी अल्जीयर्स समेत देश के कई शहरों में राष्ट्रपति अब्देलअजीज बॉउटफ्लिका का विरोध हो रहा है।
- हजारों की संख्या में अल्जीरियाई नागरिक सड़कों पर मार्च करते हुए राष्ट्रपति भवन का रुख कर रहे हैं।
- जिसके बाद अल्जीरिया के राष्ट्रपति ने आखरिकार पद छोड़ने की घोषणा कर दी है।
- दो दशक से सत्ता पर काबिज हैं बॉउटफ्लिका।

क्या चाहते हैं प्रदर्शनकारी?

- राष्ट्रपति अब्देलअजीज ब्राउटफ्लिका पांचवीं बार सरकार चलाना चाहते हैं जिसके कारण ही देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ।
- हालांकि राष्ट्रपति ने बाद में एक और बयान जारी करते हुए कहा कि अगर उन्हें दोबारा चुना गया तो वे जल्द ही पद छोड़ भी देंगे।
- लेकिन अल्जीरियाई युवा आर्थिक अवसरों की कमी से निराश हैं और वे देश के कुलीन वर्ग के बीच फैले भ्रष्टाचार से भी परेशान हैं।
- इस वर्ग ने ही फ्रांस से मिली आजादी के बाद से अल्जीरिया पर शासन किया है।

अरब स्प्रिंग क्या है?

- अरब स्प्रिंग लोकतंत्र समर्थक विद्रोह की एक श्रृंखला थी जिसमें ट्यूनीशिया, मोरक्को, सीरिया, लीबिया, मिस्र और बहरीन सहित कई मुस्लिम देश शामिल थे।
- इन देशों में घटनाएँ आम तौर पर 2011 के वसंत में शुरू हुई थी, जिसके कारण इसका नाम अरब स्प्रिंग या अरब वसंत पड़ा।
- अरब स्प्रिंग विरोध प्रदर्शनों से संबंधित एक ऐसा समूह था जो अंततः ट्यूनीशिया, मिस्र और लीबिया जैसे देशों में शासन परिवर्तन के परिणामस्वरूप हुआ। हालांकि, सभी आंदोलनों को सफल नहीं कहा जा सकता है।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. निम्नलिखित में से अरब स्प्रिंग के अन्तर्गत कौन-से देश शामिल है?

1. ट्यूनीशिया
2. मोरक्को
3. मिस्त्र
3. लीबिया
5. माली

कूट:-

(a) 1, 2, 3 और 4
(b) 2, 3, 4 और 5
(c) 1, 2 और 4
(d) उपर्युक्त सभी

1. **Which of the following countries is/are come's under Arab Spring?**

1. Tunisia
2. Morocco
3. Egypt
4. Libya
5. Mali

Choose the correct answer using the code given below-

(a) 1, 2, 3 and 4
(b) 2, 3, 4 and 5
(c) 1, 2 and 4
(d) All of the above.

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न: क्या अल्जीरिया की सत्ता में वास्तविक परिवर्तन हुआ है? इस कथन के सन्दर्भ में चर्चा कीजिए।

(250 शब्द)

Q. Has the Algerian regime really changed? Discuss in the context of this statement. **(250 Words)**

नोट : 2 अप्रैल को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(b) होगा।

GS World
Committed To Excellence